RAJYA SABHA

Wednesday, the 30th May, 1990/9th Jyaistha, 1912 (Saka)

The House met at Eleven of the clock, Mr Chairman in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पश्चिमी दिल्ली स्थित "सी-डॉट" के कार्यालय में लगी आग

*401. **प्रो० सौरीन्द्र भटटाचार्य** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिमी दिल्ली स्थित "सी-डॉट" के कार्यालय के ट्रान्समिशन अनुभाग में हाल में आग लग गई थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "सी-डाट" द्वारा की गई कतिपय खरीदारी से, जिसकी केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच की जा रही है, संबंधित कुछ महत्वपूर्ण फाइलें, इस आग में जल गई थीं; और

(ग) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय जांच ब्यूरो की जांच को समुचित रूप से जारी रखे जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए गये हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं।

(ग) उपयुक्त भाग (ख) के उत्तर को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: There is a saying that the morning shows the day. I hope the other questions won't have the same fate as that of mine. The reply given by the Minister is something more than tricky. Only the answer to (c) has an additional area of words, "in view of the answer given to (b)". The Minister has admitted that there was a fire in the Transmission Section of the C-Dot office. I wanted to have information from him whether a particular type of files were burnt down. He says, 'No'. My question would be whether—I don't think the fire that broke out was that non-violent that it did nothing—in the fire which he has admitted broke out at the C-Dot office the things that were destroyed in that fire, the things that were burnt down in that fire, had any relation to the future of an investigation which is in progress, which was ordered by him.

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति महोदय, 11 मई, 1990 को सबेरे 9.30 बजे...

श्री सभापति : वह जानना चाहते हैं...

श्री जनेश्वर मिश्र : वही बता रहा हूं।

श्री सभापति : जवाब लंबा मत कीजिए।

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति महोदय, पूसा रोड के "सी-डॉट" कार्यालय में जो ट्रॉसमीशन का काम देखता है, आग लगी थी । वह बिजली के शार्ट सर्किट के कारण...

श्री सभापति : वह तो आपने मान लिया है । वह यह जानना चाहते हैं कि इन फाइलों के अलावा जो दूसरी फाइलें हैं क्या वह जली हैं ?

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति महोदय, कोई फाईल जली हीं नहीं है।

श्री सभापति : कोई फाइल नहीं जली है।...(**व्यवधान**)

श्री जनेश्वर मिश्र : ग्राउंड फलोर पर सीढ़ी के पास जो मीटर है उस का फ्रेम जला है, कुछ खिड़की के फ्रेम जले हैं और कोई फाईल या कागज नहीं जला है, क्योंकि फाईल और कागज ऊपर रखे थे।

PROF, SOURENDRA BHATTACHARJEE: He said that no files were burnt. He says that the fire did not damage anything but the window frames and other things. Regarding his last answer I would like to have a clarification. My question is whether necessary steps have been taken to contirue the CBI investigation properly. It is not just a question of files being burnt. But the question is of continuing the investigation which was ordered by tne Minister himself as per his own announcement at the Press Conference, My question was whether the files were burnt or not and whether the investigation is continuing properly.

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति जी, असल में आग लगने की वजह से सी०बी०आई० की जांच में कोई बाधा नहीं पहुंची है और जांच की समूची व्यवस्था की गयी है ।

श्री आनन्द प्रकाश गौतम : माननीय अध्यक्ष जी, अभी मंत्रीजी ने अपने उत्तर में बताया है कि आग शार्ट सर्किट से लगी है और उस में कोई आवश्यक कागजात नहीं जले हैं बल्कि खिड़कियों के दरवाजे और पल्लों को नुकसान हुआ है । महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह आग जो लगी तो कितनी देर तक वह कमरा आग की चपेट में रहा और उस में अनुमानित कितना नुकसान हुआ और क्या उसके कारणों की कोई अन्य प्रकार से जांच माननीय मंत्री जी कर रहे हैं ? उस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं या नहीं ?

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति महोदय, शार्ट सर्किट के कारण जो आग लगी वह कमरा नहीं था बल्कि सीढ़ी के बगल में जो मशीन थी, स्विच थे, वहां आग लगी थी । यह आग आधा घंटा पैंतालीस मिनिट लगी होगी कि बुझा दी गयी । इसका कोई दूसरा कारण नहीं था बल्कि केवल बिजली का करंट था ।

SHRI S. B. CHAVAN: It is very good that none of the important papers have been burnt in this fire. May I take it that the reference to the CBI is being done as a matter of course or whether the Government is satisfied that the matter is *prima facie* sufficiently serious which requires the CBI to go into the matter. Sir, is it the claim of the Government that as a matter of course this was referred to the CBI for inquiry? If the Government was satisfied that there was nothing serious about it, why was the matter referred to them?

MR. CHAIRMAN: Just a minute. The question of CBI is about the purchases made by C-DOT. He has not stated that there is going to be a CBI inquiry about the fire. If you see part (b) of the question....

SHRI S. B. CHAVAN : I am sorry.

MR. CHAIRMAN : Question No. 402.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Sir,....

MR. CHAIRMAN: No. have moved to Question No. 402.

Action taken on Maharashtra Govt. proposals on States/National Highways

*402. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1059 given in the Rajya Sabha on the 21st March, 1990 and state what action Central Government have taken on the proposals sent by the Government of Maharashtra for the development of the State Highways and for improvement of the National Highways?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI K.P. UNNIKRISHNAN): There has not